विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

संस्कृत

पीएच्.डी./एम.फिल्.प्रवेश परीक्षा

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पीएच.डी./एम.फिल्. (संस्कृत) प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम सन् २०२५

विषय – शोध प्रविधि

खण्ड 'A'

समय - दो घण्टे

नोट

1. इस खण्ड में 50 बहुउत्तरीय प्रश्न हैं।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न 01 अङ्क का है।
4. ऋणात्मक मूल्याङ्कन नहीं होगा।
5. प्रत्येक इकाई से 10 प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई – 1 **शोध का अर्थ एवं महत्त्व**

शोध का स्वरूप, शोधके विविध पर्याय, शोध का महत्त्व

इकाई – 2 **शोध का उद्देश्य एवं प्रकार**

शोध का उद्देश्य, शोध के प्रकार, तथ्य शोधप्रधान, आलोचना प्रधान, तुलनात्मक शोध, पाठानुसन्धान, साहित्यिक शोध

इकाई – 3 **शोध प्रविधि**

तथ्यान्वेषण, अज्ञात तथ्यों का ज्ञान, अनुपलब्ध की उपलब्धि, उपलब्ध तथ्यों का शोधन, मौलिकता

इकाई – 4 **पाण्डुलिपि विज्ञान**

पाण्डुलिपि की परिभाषा एवं प्रकार, पाण्डुलिपियों को प्राप्त करने के उपाय, प्रमुख पाण्डुलिपि सङ्ग्रहालय, पाण्डुलिपियों का रखरखाव, पाठालोचन, पाठविकृतियाँ एवं उनके कारण, पाठ संशोधन

इकाई – 5 **शोध पत्र की रचना एवं सन्दर्भ लेखन**

शोधपत्र का स्वरूप, शोधपत्र सारांश, शोधपत्र में विषय प्रतिपादन, शोध निष्कर्ष, पाद टिप्पणी, शोध प्रबन्ध एवं शोध पत्र में सन्दर्भ लेखन, सन्दर्भ एवं सहायक ग्रन्थ सूची का निर्माण

अनुशंसित पुस्तकें -

1. साहित्यानुसन्धानावबोध - प्रविधि - शिववाङ्मुनि, मेधा प्रकाशन, ग्रीनसिटी, जबलपुर
2. संस्कृत शोध प्रविधि - डॉ. प्रभुनाथ द्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. अनुसन्धानस्य प्रविधि - प्रक्रिया - सम्पादक - डॉ. नागेन्द्र, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पीएच.डी./एम.फिल्. (संस्कृत) प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

खण्ड 'B'

विषय – संस्कृत

समय - दो घण्टे

नोट

1. इस खण्ड में 50 वहुउत्तरीय प्रश्न हैं।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न 01 अङ्क का है।
4. ऋणात्मक मूल्याङ्कन नहीं होगा।
5. प्रत्येक इकाई से 10 प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई 1

* **वैदिक साहित्य** - ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद का सामान्य परिचय, संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् तथा उपवेदों का सामान्य परिचय
* **वेदाङ्ग** - वेदाङ्ग साहित्य का सामान्य परिचय, यास्ककृतनिरुक्त - प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय, पाणिनीयशिक्षा - (सम्पूर्ण), कल्प का अर्थ एवं परिभाषा, प्रमुख श्रौतसूत्रों, गृह्यसूत्रों तथा धर्मसूत्रों का सामान्य परिचय, वेदकालीन समाज एवं संस्कृति, ऋग्वैदिककालनिर्णय के विषय में विभिन्न सिद्धान्त - मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगङ्गाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्ज एवं भारतीयपरम्परागतविचार, वैदिक व्याख्या पद्धति प्राचीन एवम् अर्वाचीन, वेदपाठप्रणाली, वेदशाखा विभाग, मण्डलक्रम एवम् अष्टकक्रम, वेदभाष्य एवं भाष्यकारों का विवरण, श्रौत एवं स्मार्तयागविधानों का सामान्य परिचय ।
* **देवतापरिचय** - अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, अश्विनौ, वरुण, सोम तथा उषस्।
* **ऋग्वैदिकसूक्त** - अग्नि १.१, वरुण १.२४, सूर्य १.११५, इन्द्र २.१२, विश्वामित्र - नदीसवांद - ३.३३, उषस् ३.६१, पर्जन्य ५.८३, पुरुष १०.९०, हिरण्यगर्भ १०.१२१, वाक् १०.१२५, नासदीय - १०.१२९ ।
* **यजुर्वेदीयसूक्त** - शुक्लयजुर्वेद संहिता - अध्याय - १६, शिवसङ्कल्पसूक्त अध्याय - ३४.१-६, अध्याय - ३६ ।
* **सामवेदीयसूक्त** - अग्निसूक्त १.१, पूर्वार्चिक, आग्नेयकाण्ड, इन्द्र - ३.१, सोम ६.१ ।

* अथर्ववेदीयसूक्त - पृथिवीसूक्त १२.१, राष्ट्राभिवर्धन १.२९, काल १९.५३ ।
शतपथब्राह्मण - वाङ्मनससंवाद १.४.५, ८-१३,
तैत्तिरीयआरण्यक - पञ्चमहायज्ञ २.१०, ईशावास्य उपनिषद् ।

इकाई – 2

* **पालि, प्राकृत, भाषाविज्ञान तथा व्याकरण** - पालि तथा प्राकृत भाषा के साहित्य का सामान्य परिचय, भाषा एवं भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषाओं का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं पारिवारिक) संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में मानवीयध्वनियन्त्र, ध्वनिपरिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमैन तथा वर्नर), अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण, भाषा एवं बोली में अन्तर, वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - कारकप्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी - समासप्रकरण ।
* **भारतीय दर्शन** - आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय, केशवमिश्रकृत तर्कभाषा - पदार्थ, कारण, प्रमाण लक्षण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण, ईश्वरकृष्णकृत साङ्ख्यकारिका - तत्त्वमीमांसा, सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रकृतिस्वरूप, सृष्टिक्रम एवं कैवल्य, सदानन्दयतिकृत वेदान्तसार - अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप, अपवाद, लिङ्गशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त तथा जीवन्मुक्ति, लौगाक्षिभास्करकृत अर्थसङ्ग्रह - धर्मलक्षण, भावनाविचार, वेदलक्षण, विधिमीमांसा तथा विधिभेदों का विवेचन, पातञ्जलयोगसूत्र व्यासभाष्य सहित - चित्तभूमि, चित्तवृत्तियाँ, ईश्वर का स्वरूप, योगाङ्ग, समाधि तथा कैवल्य ।
* **रामायण तथा महाभारत** - क्रम, आख्यान, समाज, परवर्ती साहित्य के लिए एक प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, **पुराण** - पुराण लक्षण, महापुराण एवम् उपपुराण, **मनुस्मृति** - प्रथम तथा द्वितीय अध्याय, **याज्ञवल्क्यस्मृति** - उपोद्घातप्रकरण, **कौटिलीय अर्थशास्त्र** - प्रथम अधिकरण - प्रारम्भ से एकादश अध्याय पर्यन्त।

इकाई – 3

* **संस्कृतसाहित्य** - निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य परिचय :- **पद्य** - रघुवंशम्, मेघदूतम्, किरातार्जुनीयम, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, बुद्धचरितम्, **गद्य** - दशकुमारचरितम्, हर्षचरितम्, कादम्बरी। **रूपक** - स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्, मुद्राराक्षसम्, रत्नावली, वेणीसंहारम्, पद्यकाव्य - पद्यसाहित्य का सामान्य परिचय, नीतिशतकम् (सम्पूर्ण), मेघदूतम् (सम्पूर्ण), कुमारसम्भवम् - पञ्चमसर्ग, रघुवंशम् - चतुर्दशसर्ग, किरातार्जुनीयम् - प्रथमसर्ग, शिशुपालवधम् - प्रथमसर्ग, नैषधीयचरितम् - प्रथमसर्ग, गद्य काव्य - प्रमुख गद्य काव्यों का सामान्य परिचय, कथा एवम् आख्यायिका में भेद, बाणभट्टकृत कादम्बरी - शुकनासोपदेश, दण्डिकृत - दशकुमारचरित - अष्टम उच्छ्वास, चम्पूकाव्य - प्रमुख चम्पूकाव्यों का सामान्य परिचय, त्रिविक्रमभट्टकृत नलचम्पू - प्रथम उच्छ्वास, नाट्यसाहित्य - नाट्यसाहित्य का सामान्य

परिचय, भासकृत कर्णभार (सम्पूर्ण), कालिदासकृत अभिज्ञानशाकुन्तलम् - प्रथम, चतुर्थ तथा पञ्चमाङ्क, शूद्रककृत मृच्छकटिकम् - प्रथम तथा चतुर्थाङ्क, भट्टनारायणकृत वेणीसंहार - प्रथम तथा तृतीयाङ्क, श्रीहर्षदेवकृत रत्नावली (सम्पूर्ण), हितोपदेश (अपरीक्षित कारक), नीतिशतकम् (सम्पूर्ण)।

* **काव्यशास्त्र** - प्रमुख काव्यशास्त्रीय ग्रंथ तथा चिन्तक, काव्यशास्त्र के रस, अलङ्कार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि तथा औचित्य सम्प्रदायों का सामान्य परिचय, मम्मटकृत **काव्यप्रकाश** - काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप, रससूत्रविमर्श-उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद तथा अभिव्यक्तिवाद, रसदोष, काव्यगुण, **अलङ्कार** - अनुप्रास, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, सङ्कर तथा संसृष्टि, **छन्द** - निम्नलिखित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण - आर्या, अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित व स्रग्धरा प्रमुख नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं चिन्तक, भरतमुनिकृत **नाट्यशास्त्र** - प्रथम, द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय, धनञ्जयकृत **दशरूपक** - रूपकलक्षण, रूपकों के भेद, पञ्चसन्धियाँ तथा नायकभेद।

इकाई – 4

* **ज्योतिर्विज्ञान** - भारतीय ज्योतिष का स्वरूप, विकास एवं काल वर्गीकरण, पञ्चाङ्गपरिचय, भचक्र एवं ग्रह, राशियाँ एवं नक्षत्र स्वरूप तथा संज्ञाएँ, भारतीय ज्योतिषशास्त्र प्रवर्तकों का परिचय एवं कृतियाँ, आर्षज्योतिष परिचय, ज्योतिर्वैज्ञानिक परिभाषाएँ, इष्टकालसाधन, अयनांशसाधन, पलभासाधन, नक्षत्रकालसाधन, चरसाधन एवं सूर्योदय-सूर्यास्त-आर्ष एवम् अर्वाचीनपद्धति, लग्न एवं दशमलग्न आनयन (आर्ष एवम् अर्वाचीनपद्धति), ग्रहस्पष्टीकरण एवं भयात भभोगसाधन (आर्षपद्धति), विंशोत्तरी महादशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशासाधन, प्रमुख तथा गौण हस्तरेखाओं का सामान्य ज्ञान, मूलाङ्क एवं विभन्न सङ्ख्याओं का सामान्य ज्ञान, रोग एवं चिकित्सा विषयक ज्योतिषीय अवधारणा (ग्रह, नक्षत्र, भाव एवं राशि), राजा वीरसिंह तोमरकृत वीरसिंहावलोक - अधिकार - (ज्वर, अर्शरोग, कृमिरोग, अपस्माररोग, उदररोग, वातरोग, अम्लपित्तरोग, मुखरोग, कर्णरोग, नासारोग, हृदयरोग, अश्मरीरोग, प्रमेहरोग, भगन्दररोग, कुष्ठरोग, उपदंशशूकरोग, व्रणरोग, नेत्ररोग, शिरोरोग, बालरोग एवं निदान)।

इकाई – 5

* **ज्योतिषशास्त्र के इतर आयाम** - मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य, तन्त्रसिद्धान्त और साधना- तन्त्र का आविर्भाव और विकास, मन्त्र एवं मातृकाओं का स्वरूप, दीक्षा और अभिषेक, तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र और आधुनिकविज्ञान, तान्त्रिक साधना का उद्देश्य, षट्कर्म,

कालनिर्णय, तिथिनिर्णय, वारनिर्णय, माहेन्द्रादिनिर्णय, नक्षत्रनिर्णय, आचार्यवराहमिहिर-कृत - **पञ्चसिद्धान्तिका** - अध्याय ९ (केवल सूर्य-चन्द्र मध्यमान), अध्याय - १५-१७ तथा **सूर्यसिद्धान्त** - नवीन - अध्याय - १ एवं २, आचार्य वराहमिहिरकृत **बृहत्संहिता** - अध्याय १-३३, ८०-९६, १०३, १०४, **विश्वकर्माप्रकाश** - अध्याय १-१३, श्रीरामाचार्यकृत **मुहूर्तचिन्तामणि** - अध्याय १-६, महर्षिपाराशरकृत बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - चलितचक्रसाधन, दशवर्गसाधन, विंशोत्तरी महादशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशासाधन, वैद्यनाथकृत **जातकपारिजात** - अध्याय - १, २, ६, ७, १०-१५, कल्याणवर्मकृत **सारावली** - अध्याय - १०-१२, ३९-४१, पराशरकृत **लघुपाराशरी** (सम्पूर्ण), वामनकृत **योगचिन्तामणि** (सम्पूर्ण), आचार्यपृथुयशकृत **षट्पञ्चाशिका** - (अध्याय ३ छोडकर सम्पूर्ण ग्रन्थ), प्रश्नमार्ग - अध्याय १२ एवं १३।

अनुशंसित पुस्तकें -

1. अर्थसङ्ग्रह - व्याख्याकार - डॉ. दयाशंकर शास्त्री, प्रकाशक चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. कादम्बरी - वाणभट्ट
3. कालिदास - श्री चन्द्रबली पाण्डेय
4. कालिदास - श्री वासुदेव विष्णु मिराशी
5. कालिदासमीमांसा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6. काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. कुमारसम्भवम् – कालिदास
8. कौटिलीय अर्थशास्त्र - व्याख्याकार - वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
10. तर्कभाषा - व्याख्याकार - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
11. दशकुमारचरितम् - दण्डी
12. दशरूपक - धनञ्जय, सम्पादक - डॉ.केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
13. ध्वन्यालोक - आचार्य चण्डिकाप्रसाद शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
15. नलचम्पू - त्रिविक्रमभट्ट
16. नवीन वैदिक सञ्चयनम् – भाग 1, 2 – डॉ. जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
17. नाट्यशास्त्र – भरतमुनि, सम्पादक – बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
18. निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
19. नीतिशतकम् – भर्तृहरि
20. नैषधीयचरितम् - श्रीहर्ष, डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
21. न्यू वैदिक सिलेक्शन भाग – 1 एवं 2 ब्रजविहारी चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

22. पाणिनीयशिक्षा – भाष्यकार - डॉ. बच्चूलाल अवस्थी, हिन्दी व्याख्याकार - डॉ. बालकृष्ण शर्मा, कालिदास अकादमी, उज्जैन
23. पालि–प्राकृत–अपभ्रंश सङ्ग्रह – रामअवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
24. पुराणविमर्श - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
25. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
26. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
27. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
28. मनुस्मृति - व्याख्याकार -डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
29. मुद्राराक्षस - विशाखदत्त
30. मृच्छकटिक - शूद्रक
31. मेघदूतम् – कालिदास
32. याज्ञवल्क्यस्मृति - व्याख्याकार - डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
33. रघुवंश – कालिदास, व्ही. वेलणकर, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
34. रत्नावली - हर्ष
35. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज
36. वेणीसंहार - भट्टनारायण
37. वेदान्तसार - व्याख्याकार - श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा सीरिज, वाराणसी
38. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
39. शिशुपालवध – माघ, डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
40. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय
41. संस्कृत कवि दर्शन - डॉ. भोलाशंकर व्यास
42. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
43. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
44. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय
45. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - डॉ. विमला कर्णाटक, प्रकाशक - चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
46. साहित्यदर्पण - डॉ. लोकमणि दाहाल, चौखम्बा पब्लिशिंग, नई दिल्ली
47. सिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजि दीक्षित
48. अङ्क ज्योतिष - डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली, अनुपम पॉकेट बुक्स, कमला नगर, दिल्ली
49. कामरत्नम् - नित्यनाथ - लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर प्रेस, मुम्बई
50. गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

51. जातकपारिजात - वैद्यनाथ व्याख्याकार - गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
52. तन्त्र सिद्धान्त और साधना - देवदत्त शास्त्री, स्मृतिप्रकाशन, इलाहाबाद
53. नीतिशतकम् (संस्कृत - हिन्दी व्याख्या) चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
54. पञ्चसिद्धान्तिका - टी. एस. कुप्पनशास्त्री तथा बी.के. शर्मा, पी.सी.एस.टी. फाउण्डेशन, अड्यार, मद्रास
55. प्रश्नमार्ग - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन - वाराणसी
56. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी
57. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - व्याख्याकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
58. बृहद् हस्तरेखाशास्त्र - डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली, पुस्तक महल, नई दिल्ली
59. बृहदुअङ्कज्योतिर्विज्ञान - राजेश हिन्दी पुस्तक भण्डार, खारी बांवली, नई दिल्ली
60. भारतीय कुण्डली विज्ञान - मीठालाल ओझा, वाराणसी
61. भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
62. मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य - शिवशङ्कर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
63. मन्त्रमहोदधिः - महीधर - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
64. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकारः - केदारदत्त जोशी, मोतीलाल बनारसीदास,
65. योगचिन्तामणि एवं व्यवहारज्योतिष - डॉ.राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर एवं डॉ. शुभम् शर्मा, चौखम्भा संस्कृत संस्थान - वाराणसी
66. लघुपाराशरी- पराशर, टीकाकार- डॉ. उमेशपुरी ज्ञानेश्वर, रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार
67. विश्वकर्माप्रकाश - ठाकुर प्रसाद एण्ड सन्स, वाराणसी
68. वीरसिंहावलोक - चौखम्भा कृष्णदास अकादमी - वाराणसी
69. षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयश, टीका - आचार्य गुरुप्रसाद गौड़, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी
70. सचित्र सामुद्रिक रहस्यम् - पं. कालिकाप्रसाद शर्मा, ठाकुर प्रसाद एण्ड सन्स बुक सेलर, राजा दरवाजा कचौड़ी गली, वाराणसी
71. सारावली - कल्याण वर्मा, टीकाकार - डॉ. मुरलीधर चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
72. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
73. हितोपदेश - नारायण पण्डित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी